कोटा (राजस्थान) में नागरिक अभिनन्दन कार्यक्रम

6 जुलाई 2019

कोटा के सभी निवासियों का अपार प्यार और सम्मान देखकर मैं अभिभूत हूं। सर्वप्रथम मैं इस पुण्यभूमि को नमन करता हूं जहां मैं जन्मा, पला, बढ़ा एवं जिसके आंचल में मैंने अपनी जीवन यात्रा प्रारंभ की, आपके साथ शनै: शनै: चलते-चलते आज इस मुकाम पर पहुंचा।

हमारी इस जीत के लिए मैं अपनी पार्टी भारतीय जनता पार्टी, उनके समर्पित कार्यकर्ताओं एवं समस्त अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अथक परिश्रम कर मुझे सफलता दिलाई है।

राजस्थान वीरों की धरती है और यहां के सभी निवासी बहुत ही उत्साही, कर्मठ, संघर्षशील, परिश्रमी एवं देशभक्त होते हैं। ऐसी विशाल एवं समृद्ध विरासत पर हमें गर्व है।

जबसे मैंने होश संभाला हैं मेरे दिल में अपने देश के निवासियों के प्रति अगाध स्नेह रहा है। इसी स्नेह से प्रेरित होकर मैंने समाज की सेवा करने का प्रण लिया है और आजीवन करता रहूंगा। हमारी सोच, समाज के सबसे कमज़ोर वर्गों के विकास के दृष्टिकोण से प्रेरित होनी चाहिए क्योंकि इनके विकास में ही समाज का विकास निहित है।

भाइयो और बहनों ! इस कार्य में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। मेरे राजनीतिक जीवन का उद्देश्य केवल और केवल समाज के उन लोगों की सेवा करना है जो गरीब, उपेक्षित और हाशिए पर खड़े हैं। इस कार्य में कोटा के मेरे सभी साथियों का सहयोग अपेक्षित है, तभी तो हम सब मिलकर उनकी सेवा कर सकेंगे जिनके लिए हमारा जीवन समर्पित है।

मित्रो! आप सबकी कृपा और आशीर्वाद से ही मुझे तीन बार राजस्थान विधान सभा में कोटा का विधायक बनने का अवसर मिला। आपके शुभाशीष, प्यार, स्नेह और सहयोग से मुझे पहली बार देश की सबसे बड़ी पंचायत लोक सभा का सदस्य बनने का सुअवसर मिला।

आपने पुनः मुझे वर्ष 2019 में भारी मतों से विजयी बनाकर, आशीर्वाद देकर लोक सभा में भेजा है, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं।

कौटिल्य अर्थशास्त्र में चाणक्य ने लिखा है-

" प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां तु हिते हितम् ।

नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम् ॥"

इसका अर्थ है कि राजा का हित प्रजा के हित में समाहित होता है। जो आपका हित है, वही हमारा हित है। आपके हितों की रक्षा करना ही हमारा दायित्व है। आपने मुझे चुनकर भेजा है। आपकी आकांक्षाएं और आशाएं हैं जिनको पूर्ण करना हमारा धर्म है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

चुनाव में विजयश्री के पश्चात् भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने मुझे लोक सभा अध्यक्ष के उस सर्वाधिक सम्मानित एवं पावन पद के लिए चुना है जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

भाइयों और बहनों! मुझे इस बात की खुशी है कि लोक सभा के नवनिर्वाचित सभी सदस्यों ने आम सहमति से मुझे लोक सभा के अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया है। मुझे मिली इस बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

लोक सभा अध्यक्ष का पद निष्पक्ष होता है और उसे दल, क्षेत्र, प्रदेश इत्यादि भावनाओं से ऊपर उठकर कार्य करना होता है। मुझे विश्वास है कि हमें चाकसू, बून्दी सहित कोटा के सभी निवासियों का भरपूर सहयोग एवं सम्मान मिलेगा। राष्ट्रहित में मुझे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करने में यदि भूलवश मुझसे कोई चूक हो जाए, तो कोटा निवासी, उस चूक को सहर्ष क्षमा कर देंगे, इसका मुझे यकीन है।

जिस पद पर आपने मुझे पहुंचाया है, उसके सम्मान की रक्षा ही हमारा धर्म है। लेकिन हमारा ध्यान सदैव अपने संसदीय क्षेत्र के निवासियों पर रहेगा। आपके और हमारे बीच कभी कोई दूरी नहीं होगी, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

मेरे सामने नई जिम्मेदारियां हैं जिसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी 17वीं लोक सभा का कुशलतापूर्वक संचालन एवं देश के हित में लाए जाने वाले कानून को बनाने में सहयोगी की भूमिका निभाना है। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ही हमारे लिए उतने ही प्रिय हैं। दोनों के सहयोग, संवाद, विचार मंथन एवं सकारात्मक चर्चा से ही देश का उत्थान एवं विकास संभव है।

किसी भी लोक सभा में कई सदस्य पहली बार चुनाव जीतकर आते हैं। आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस लोक सभा में 264 सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर आये हैं जो कि लोक सभा की कुल सदस्य संख्या का लगभग आधा हिस्सा है। नौजवानों की यह ऊर्जा जहां एक ओर हम सबमें जोश एवं उत्साह का संचार करती है, वहीं देश के लिए कुछ नया करने का जज्बा लिए जीतकर आए हुए युवा सांसदों को हमारे देश की तकदीर बदलना है।

वे करोड़ों भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा पूंज बन सकते हैं और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए कठोर परिश्रम करने के लिए प्रेरित करेंगे। ऐसे मेरा विश्वास है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश को जिस युवाशक्ति से जोड़ा है, वह अद्भुत है। मैं मानता हूं कि इस शक्ति एवं उमंग से आप सभी उत्साहित होंगे और अपने-अपने कार्यों में सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कार्य करेंगे।

एक सांसद का यह दायित्व है कि वह सरकार को आम जनता की माँगों और आकाँक्षाओं के अनुसार काम करने के लिए प्रेरित करें। वह लोगों के समक्ष आ रही समस्याओं को सभा में उठाने और उनकी शिकायतों के सकारात्मक समाधान के लिए हर अवसर का उपयोग करता है। संसद में बनाये गए विधानों का उद्देश्य भी तात्कालिक मुद्दों का समाधान करना और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए दीर्घकालीन आधारभूत ढांचा तैयार करना होता है।

लोक सभा अध्यक्ष का पद संभालते ही मैंने सबसे पहले सभी संसद सदस्यों को उनके क्षेत्र की समस्याओं को लोक सभा में उठाने का अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है।

मुझे विश्वास है कि आप अपने इस भाई को प्रतिष्ठित पद की गरिमा एवं मर्यादा को अक्षुण्ण रखते हुए एवं उस संविधान के सम्मान में और श्रीवृद्धि करते पाएंगे जो हमारे पुरखों ने बहुत ही श्रम, मेहनत एवं सोच-विचार से तैयार किया है।

संसदीय लोकतंत्र एवं उनके आदर्शों के प्रति हमारे देश के लोगों में बहुत ही जागरूकता है। लोकतंत्र की यह परम्परा भारतीय सभ्यता और संस्कृति का मन, प्राण रही है। युगों से हमारा देश उन मूल्यों में विश्वास करता आया है जिसके कारण हमारा अस्तित्व है।

एक निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में मैं आपके सुख-दुख को जानता-समझता हूं। आप सभी ने जितने प्रेम, स्नेह और उत्साह से मुझे सम्मानित किया है, मुझे अपना समझा है, इसके लिए मैं आजीवन आपका ऋणी रहूंगा।

एक बार पुनः, मैं आप सभी का अभिनंदन करते हुए कहता हूं कि सबसे पहले देश हैं और सबसे अंत में मैं हूं। देश की रक्षा हम सबका परम धर्म होना चाहिए। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे आप सभी की सेवा करने का अवसर मिला है और मुझे हमेशा आप लोगों की सेवा करने का मौका मिलता रहे, प्रभु से यही प्रार्थना करता हूं।